नाबार्ड

राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक

सहायक प्रबंधक - ग्रेड 'ए' – अधिकारी पद के लिए भर्ती हेतु लिखित परीक्षा के लिए पाठ्यक्रम

आर्थिक और सामाजिक मुद्दे और कृषि एवं ग्रामीण विकास

(पाठ्यक्रम उदाहरणात्मक है और सम्पूर्ण नहीं है. परीक्षा के लिए तैयारी कराते समय इस पाठ्यक्रम को सूचना के एकमात्र स्रोत के रूप में न देखें. परीक्षा के स्वरूप को ध्यान में रखते हुए अभ्यर्थी को संबंधित विषय के दायरे में आने वाले सभी मुद्दों का अध्ययन करना चाहिए क्योंकि विषय के अंतर्गत आने वाले सभी संबंधित मुद्दों पर प्रश्न पूछे जा सकते हैं. परीक्षा में सहभागी होने वाले अभ्यर्थियों को विषय से संबंधित चालू/ वर्तमान घटनाओं/ गतिविधियों के बारे में भी तैयारी करनी चाहिए भले ही उन विषयों को विशेष रूप से पाठ्यक्रम में शामिल न किया गया हो.)

आर्थिक और सामाजिक मुद्दे : भारतीय अर्थ व्यवस्था की प्रकृति, ढांचागत और संस्थागत विशेषताएं – अर्थ व्यवस्था का अल्प विकास/ भारतीय अर्थ व्यवस्था को मुक्त करना, वैश्वीकरण, भारत में आर्थिक सुधार – निजीकरण. मुद्रा स्फीति - मुद्रा स्फीति की प्रकृति और उसका राष्ट्रीय अर्थ व्यवस्था तथा व्यक्तिगत आय पर प्रभाव. आर्थिक आयोजना के उद्देश्य – भारत में आयोजना का मूल्यांकन, गरीबी उन्मूलन और रोजगार सृजन – ग्रामीण और शहरी - गरीबी का मापन – सरकार के गरीबी उन्मूलन कार्यक्रम. जनसंख्या रुझान – जनसंख्या में वृद्धि और आर्थिक विकास – भारत में जनसंख्या नीति. कृषि – विशेषताएं/ स्थिति – भारतीय कृषि में तकनीकी और संस्थागत परिवर्तन – कृषि निष्पादन – भारत में खाद्य सुरक्षा संबंधी मुद्दे - ग्रामीण ऋण में गैर संस्थागत और संस्थागत एजेंसियां. उद्योग – औद्योगिक और श्रम नीति – औद्योगिक निष्पादन – भारत में औद्योगिक विकास में क्षेत्रीय असंतुलन – सार्वजनिक क्षेत्र उद्यम. भारत में बैंकिंग और वित्तीय संस्थानों में ग्रामीण विपणन विकास - बैंकिंग और वित्तीय क्षेत्र में सुधार. अर्थव्यवस्था का वैश्वीकरण – अंतरराष्ट्रीय निधीयन संस्थाओं की भूमिका– अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष और विश्व बैंक, विश्व व्यापार संगठन की भूमिका – क्षेत्रीय आर्थिक सहकार. भारत में सामाजिक ढांचा – बहुलतामूलक संस्कृति – जनसांख्यिकी – शहरीकरण और विस्थापन – संयुक्त पारिवारिक व्यवस्था से संबंधी मुद्दे – सामाजिक ढांचा – शिक्षा – स्वास्थ्य और पर्यावरण. शिक्षा – शिक्षा की स्थिति और प्रणाली – निरक्षरता से जुड़ी सामाजिक – आर्थिक समस्याएं – शिक्षा की प्रासंगिकता और शैक्षणिक अनुपयोग – भारत के लिए शिक्षा नीति. सामाजिक न्याय - अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजातियों की समस्याएं -

अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़े वर्गों के लिए सामाजिक – आर्थिक कार्यक्रम - विकास के लाभों से वंचित वर्गों के पक्ष में सकारात्मक पक्षधरता – सामाजिक आंदोलन – भारतीय राजनीति व्यवस्था – मानव विकास. वर्तमान आर्थिक और सामाजिक मुद्दे.

कृषि और ग्रामीण विकास: कृषि - भारतीय कृषि और अनुषंगी गतिविधियों का वर्तमान परिदृश्य; कृषि क्षेत्र में नवीनतम प्रवृत्तियां, प्रमुख चुनौतियां, कृषि में लाभप्रदता बढ़ाने के उपाय; कृषि में उत्पादन का प्रभाव; कृषि वित्त और विपणन; भारतीय कृषि पर वैश्वीकरण का प्रभाव और खाद्य सुरक्षा का मुद्दा; फार्म प्रबंधन की अवधारणा और प्रकार.

(1) कृषि: परिभाषा, अर्थ और शाखाएं; कृषि विज्ञान: परिभाषा, अर्थ और कृषि विज्ञान का दायरा. खेत की फसलों का वर्गीकरण; फसलोत्पादन को प्रभावित करने वाले कारक; कृषि जलवायु क्षेत्र; फसल प्रणालियां - परिभाषा और प्रकार; शुष्क भूमि कृषि की समस्याएं; बीज उत्पादन, बीज प्रसंस्करण और बीज ग्राम; मौसम विज्ञान: मौसम के मानदंड, फसल - मौसम सूचना/ सलाह; प्रिसीज़न फार्मिंग, फसल सघनीकरण की प्रणाली, जैव कृषि.

(क) मृदा और जल संरक्षण: मृदा के मुख्य प्रकार, मृदा की उर्वरता, उर्वरक, मृदा क्षरण, मृदा संरक्षण, वाटरशेड प्रबंधन.

(ख) जल संसाधन: सिंचाई प्रबंधन: सिंचाई के प्रकार, सिंचाई के स्रोत, फसल - जल आवश्यकता, कमान क्षेत्र विकास, जल संरक्षण तकनीकें, सूक्ष्म सिंचाई, सिंचाई पंप, बृहद्, मध्यम और लघु सिंचाई.

(ग) फार्म और कृषि अभियांत्रिकी (इंजीनियरिंग): फार्म मशीनरी और ऊर्जा, फार्म पर ऊर्जा - मानव ऊर्जा, पशु ऊर्जा, यांत्रिक ऊर्जा, विद्युत ऊर्जा, पवन ऊर्जा, सौर ऊर्जा, बायोमास, जैव ईंधन, जल संचय संरचनाएं, फार्म तालाब, वाटरशेड प्रबंधन, कृषि प्रसंस्करण, नियंत्रित और आशोधित भंडारण, नश्य खाद्य का भंडारण, गोदाम, बिन और अनाज की कोठी.

(घ) उद्यान और उद्यानिकी: परिभाषा, अर्थ और शाखाएं, विविध उद्यान और उद्यानिकी फसलों की कृषि वैज्ञानिक प्रथाएं और उत्पादन प्रौद्योगिकी; उद्यानिकी फसलों का फसलोत्तर प्रबंधन, मूल्य और आपूर्ति श्रृंखला.

(ङ) पशुपालन: खेती में काम आने वाले पशु और भारतीय अर्थव्यवस्था में उनकी भूमिका, भारत में पशुपालन पद्धतियां, पशुधन की विभिन्न प्रजातियों से संबंधित सामान्य पारिभाषिक शब्द, पशु-प्रजाति का उपयोगिता-आधारित वर्गीकरण, सामान्य पशुखाद्य और चारा-वर्गीकरण और उपयोगिता.

भारत में पोल्ट्री उद्योग का परिचय (भूत, वर्तमान और भविष्य), पोल्ट्री उत्पादन और प्रबंधन से संबंधित सामान्य पारिभाषिक शब्द, मिश्रित फार्मिंग की अवधारणा और भारत के किसानों की सामाजिक-आर्थिक स्थितियों में इसका महत्व, कृषि फार्मिंग के साथ पशुधन और पोल्ट्री उत्पादन का पूरक और अनिवार्य घटक होना.

(च) मत्स्यपालन: मत्स्यपालन संसाधन, प्रबंधन और दोहन - फ्रेशवॉटर, ब्रैकिश वाटर और मरीन; अक्वाकल्चर - इनलैण्ड और मरीन; बायोटेक्नोलॉजी; पोस्ट-हार्वेस्ट टेक्नोलॉजी. भारत में मत्स्यपालन का महत्व; मत्स्योत्पादन से संबंधित सामान्य पारिभाषिक शब्द.

(छ) वानिकी: वन और वानिकी - मूलभूत अवधारणाएं; सिल्विकल्चर (वन वृक्ष विज्ञान), वन क्षेत्रमिति, वन प्रबंधन और वन अर्थशास्त्र के सिद्धांत; सामाजिक वानिकी, कृषि-वानिकी, संयुक्त वन प्रबंधन की अवधारणाएं; भारत में वन नीति और विधायन, इंडिया स्टेट ऑफ फॉरेस्ट रिपोर्ट 2015; पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के अंतर्गत हालिया परिघटनाएं.

(ज) कृषि-विस्तार: महत्व और भूमिका, विस्तार-कार्यक्रमों के मूल्यांकन की पद्धतियां, कृषि प्रौद्योगिकी के प्रसार में कृषि विज्ञान केंद्रों की भूमिका.

(झ) पर्यावरण विज्ञान और जलवायु परिवर्तन: पर्यावरण विज्ञान और मनुष्य, प्राकृतिक संसाधनों तथा उनके धारणक्षम प्रबंधन और संरक्षण में पर्यावरण विज्ञान का महत्व; जलवायु परिवर्तन के कारण, ग्रीन हाउस गैसें; ग्रीन हाउस गैसों के उत्सर्जक मुख्य देश, जलवायु विश्लेषण; अनुकूलन और शमन में अंतर; कृषि और ग्रामीण आजीविका पर जलवायु परिवर्तन का प्रभाव; कार्बन क्रेडिट, आईपीसीसी, यूएनएफसीसीसी, सीओपी बैठकें, जलवायु परिवर्तन परियोजनाओं के लिए निधीयन तंत्र, भारत सरकार के प्रयास, एनएपीसीसी, एसएपीसीसी, आईएनडीसी.

ग्रामीण विकास : ग्रामीण क्षेत्र की अवधारणा; भारतीय ग्रामीण अर्थव्यवस्था की संरचना; भारतीय ग्रामीण अर्थव्यवस्था की आर्थिक, सामाजिक और जनसांख्यिकीय विशेषताएं; ग्रामीण पिछड़ेपन के कारण.

भारत की ग्रामीण आबादी; ग्रामीण भारत की पेशागत संरचना, किसान, खेतिहर मजदूर, कारीगर, हस्तशिल्पी, व्यापारी, वनवासी/ आदिवासी और अन्य; ग्रामीण आबादी और श्रमशक्ति में परिवर्तन की प्रवृत्तियां; ग्रामीण श्रमिकों की समस्याएं और स्थितियां; हथकरघा क्षेत्र - समस्याएं और चुनौतियां.

पंचायती राज संस्थाएं – कार्य और कार्यपद्धति; मनरेगा; एनआरएलएम; आजीविका; ग्रामीण पेयजल कार्यक्रम; स्वच्छ भारत, ग्रामीण आवासन; पीयूआरए और अन्य ग्रामीण विकास कार्यक्रम.